# ऐसे सतगुरु मिले लाखों सूर्य उगे भजन लिरिक्स

ऐसे सतगुरु मिले,
लाखों सूर्य उगे,
उनका सतसंग सुनाना,
गजब हो गया।**bd**।

---

अंदर बाजा भी है,
बजाने वाला भी है,
उनका अनहद बजाना,
गजब हो गया,
ऐसे सतगुरु मिलें,
लाखों सूर्य उगे,
उनका सतसंग सुनाना,
गजब हो गया।**bd**।

---

अंदर गंगा भी है,
अंदर यमुना भी है,
मेरा संगम में नहाना,
गजब हो गया,
ऐसे सतगुरु मिलें,
लाखों सूर्य उगे,
उनका सतसंग सुनाना,
गजब हो गया।**bd**।

---

अंदर दीपक भी है,
अंदर बाती भी है,
आत्म ज्योति जगाना,
गजब हो गया,
ऐसे सतगुरु मिलें,
लाखों सूर्य उगे,
उनका सतसंग सुनाना,
गजब हो गया।**bd**।

---

ठोकरें खा रहा था,
दुनिया की राह में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उनका अपना बनाना,
गजब हो गया,
गजब हो गया,
ऐसे सतगुरु मिलें,
लाखों सूर्य उगे,
उनका सतसंग सुनाना,
गजब हो गया।bd।

---

ऐसे सतगुरु मिले,
लाखों सूर्य उगे,
उनका सतसंग सुनाना,
गजब हो गया।bd।

स्वर – संत श्री अमृतराम जी महाराज।
**Upload by – keshav**

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com